Literacy for a Billion

Movie: Opera House
Year: 1962

Song: Dekho Mausam Kya Bahaar Hai
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

देखो मौसम
क्या बहार है
सारा आलम
बेक़रार है
ऐसे में क्यों हम
दीवाने हो जाएँ ना

देखो मौसम
क्या बहार है
सारा आलम
बेक़रार है
ऐसे में क्यों हम
दीवाने हो जाएँ ना

छलकी छलकी
चाँदनी भी है
हलकी हलकी
बेखुदी भी है
ऐसे में क्यों हम
यहीं पर खो जाएँ ना

ठंडी ठंडी रेत में
जलवों की बरसात है
क्या मस्ताना है समाँ
क्या मतवाली रात है

ठंडी ठंडी रेत में
जलवों की बरसात है
क्या मस्ताना है समाँ
क्या मतवाली रात है
ओ ...
सपने बिखरे
मोड़ मोड़ पे
आके नैना
जोड़ जोड़ के

ऐसे में क्यों हम
दीवाने हो जाएँ ना

छलकी छलकी
चाँदनी भी है
हलकी हलकी
बेखुदी भी है
ऐसे में क्यों हम
यहीं पर खो जाएँ ना

गाती सी हर साँस में
बजती सी शहनाइयाँ
साया दिल पे डालती
तारों की परछाइयाँ

गाती सी हर साँस में
बजती सी शहनाइयाँ
साया दिल पे डालती
तारों की परछाइयाँ

झाँके चंदा
आसमान से

छेड़े हमको
जान जान के
ऐसे में क्यों हम
यहीं पर खो जाएँ ना
देखो मौसम
क्या बहार है
सारा आलम
बेक़रार है
ऐसे में क्यों हम
दीवाने हो जाएँ ना

दरिया की हर मौज में
अरमानों का ज़ोर है
दिलवालों के गीत का
हलका हलका शोर है
दरिया की हर मौज में
अरमानों का ज़ोर है
दिलवालों के गीत का
हलका हलका शोर है

लहरें डोलें
झूम झूम के
साहिल का मुँह
चूम चूम के

ऐसे में क्यों हम
दीवाने हो जाएँ ना

देखो मौसम
क्या बहार है
सारा आलम
बेक़रार है
ऐसे में क्यों हम
दीवाने हो जाएँ ना

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.